पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – वेद निरूक्त एवं वैदिक साहित्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. इन्द्रसूक्त के ऋषि कौन हैं ?
2. 'विश्वा' का अर्थ क्या है ?
3. भाव-विकारों की संख्या कितनी है ?
4. 'अनुब्रतः' का अर्थ क्या होता है ?
5. 'ईशावास्योपनिषद्' किस वेद से सम्बद्ध है ?
6. 'हिरण्यमयेन' का अर्थ लिखिए।
7. ज्योतिष को वेद का कौन-सा अंग माना गया है ?
8. मैक्डोनल के अनुसार ऋग्वेद का रचनाकाल क्या है ?

खण्ड—ब

9. 'अग्निमीलेपुरोहितम्' की व्याख्या कीजिए।

10. 'स नः पितेव सूनवे' का भाव स्पष्ट कीजिए।
11. 'तत्र चतुष्ट्यं नोपपद्यते' की व्याख्या कीजिए।
12. 'विद्ययाऽमृतमश्नुते' का भावार्थ लिखिए।
13. 'सम्भूत्यामृतमश्नुते' का सारांश लिखिए।
14. तैत्तिरीय आरण्यक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. पुरुषसूक्त के किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए।
16. कालसूक्त के वर्ण्य-विषय का प्रतिपादन कीजिए।
17. अद्वैत भाव को स्पष्ट कीजिए।
18. ब्राह्मण ग्रन्थों के देश-काल को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. इन्द्र देवता के माहात्म्य का प्रकाशन कीजिए।
20. शत्रुनाशनं सूक्त के प्रतिपादन विषय का वर्णन कीजिए।
21. 'ईशावास्योपनिषद्' के अनुसार परमात्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
22. सामवेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. पुरुषसूक्त के अनुसार सृष्टिक्रम का वर्णन कीजिए।
24. वेदों के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – पालि प्राकृत एवं भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित विकल्पपों में से सही उत्तर चुनिए :

   (अ) बैर से बैर कभी शान्त नहीं होता।

   (ब) बैर से ही बैर शान्त होता है।

   (स) कभी-कभी बैर करने से ही बैर शान्त होता है।

   (द) कभी-कभी बैर न करने से भी बैर शान्त होता है।

2. (अ) माया को छोड़कर इस संसार में जो विचरण करता है, वह भिक्षुक है।

   (ब) घर को छोड़कर इस संसार में जो भिक्षाटन करता है, वह भिक्षुक है।

(स) तपस्या के लिए इस संसार में जो विचरण करता है, वह भिक्षुक है।

(द) पुण्य या पाप को छोड़कर इस संसार में जो विचरण करता है, वह भिक्षुक है।

3. (अ) 'पाइअ-संगहो' महाराष्ट्री प्राकृत में लिखा गया है।

(ब) 'पाइअ-संगहो' शौरसेनी प्राकृत में लिखा गया है।

(स) 'पाइअ-संगहो' अर्धमागधी प्राकृत में लिखा गया है।

(द) 'पाइअ-संगहो' पैशाची भाषा में लिखा गया है।

4. (अ) सिपाहियों द्वारा अँगूठी की खोज 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के 4 अंक में है।

(ब) सिपाहियों द्वारा अँगूठी की खोज 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के 5 अंक में है।

(स) सिपाहियों द्वारा अँगूठी की खोज 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के 6 अंक में है।

(द) सिपाहियों द्वारा अँगूठी की खोज 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के 7 अंक में है।

5. (अ) भाषा सामाजिक सम्पत्ति है।

(ब) भाषा व्यक्तिगत सम्पत्ति है।

(स) भाषा पैतृक सम्पत्ति है।

(द) भाषा साहित्यकार की सम्पत्ति है।

6. (अ) मागधी प्रथम प्राकृत के अन्तर्गत है।

(ब) मागधी द्वितीय प्राकृत के अन्तर्गत है।

(स) मागधी तृतीय प्राकृत के अन्तर्गत है।

(द) मागधी पालि के अन्तर्गत है।

7. (अ) रामः पठन्ति—यह वाक्य है।

(ब) रामाः पठन्ति—यह वाक्य है।

(स) रामौ पठन्ति—यह वाक्य है।

(द) रामेण पठन्ति—यह वाक्य है।

8. (अ) अर्थवान् शब्द को प्रतिपादिक यास्क ने कहा है।

(ब) अर्थवान् शब्द को प्रतिपादिक भर्तृहरि ने कहा है।

(स) अर्थवान् शब्द को प्रतिपादिक पत◇जलि ने कहा है।

(द) अर्थवान् शब्द को प्रतिपादिक पाणिनि ने कहा है।

खण्ड—ब

9. 'उलूकजातकम्' का सारांश लिखिए।
10. निम्नलिखित का हिन्दी-अनुवाद लिखिए :
न तेत भिक्खु भवति यावता भिक्खते परे।
विस्सं सम्मं समादायं भिक्खु होति न तावता।
योध पु◇ञ◇च पाप◇च बाहित्वा ब्रह्मचरियवा।
संखाय लोके चरति स वे भिक्खु ति वुच्चति।
11. निम्नलिखित का सन्दर्भोल्लेख कर हिन्दी अनुवाद लिखिए :
दढरोसकलुसिअस्स वि सुअणस्स मुहाहिं पिप्पिअं कुतो।
राहुमुहम्मि वि ससिणो किरणा अमअं विअ मुअन्ति।
वसणम्मि अणुव्विग्गा विहवम्मि अगव्विआ भए धीरा।
होन्ति अहिण्णसहावा समेसु विसमेसु सप्पुरिसा।
12. निम्नलिखित का हिन्दी अनुवाद लिखिए :
अहिणवराआरद्धा चुक्कक्खलिएसु विहडिआपरिट्ठविआ।
मेत्तिव्व पमुहरसिआ णिव्वोढुं होइ दुक्करं कव्वकहा।
परिवड्ढइ विण्णाणं सम्भाविज्जइ जसो विढप्पन्ति गुणा।
सुव्वइ सुडरुसचरिअं किं तं जेण ण हरन्ति कव्वालावा।
13. 'पालि' शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
14. खरोष्ठी लिपि का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. बाबेरु जातकम् की कथा को अपने शब्दों में लिखिए।
16. शौरसेनी एवं मागधी प्राकृत की विशेषताएँ लिखिए।
17. ध्वनि-परिवर्तन के अन्तर्गत आगम और लोप का अन्तर समझाइए।
18. कोश ग्रन्थों के प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. सम्यक् आचरण तथा सम्यक् दृष्टि की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

20. 'वासुदत्त' कथा का सारांश लिखिए।

21. भारोपीय भाषा-परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

22. अर्थ का महत्व स्पष्ट करते हुए भारत में अर्थ-विचार की परम्परा का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. भाषा की उत्पत्ति तथा विकास सम्बन्धी प्रमुख सिद्धान्तों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

24. व्याकरण-परम्परा के 'मुनित्रय' कौन हैं ? इनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – व्याकरण एवं निबन्ध **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. कर्त्ताकारक के लिए किस विभक्ति का प्रयोग किया जाता है ?
2. 'सम्बोधने च' किस विभक्ति का सूत्र है ?
3. कर्मकारक का सूत्र लिखिए।
4. 'अन्तरान्तरेणयुक्ते' सूत्र में 'अन्तरा' और 'अन्तरेण' का क्या अर्थ है ?
5. 'निष्ठा' किस प्रत्यय का सूत्र है ?
6. 'प्रकृत्य' में कौन-सा प्रत्यय है ?
7. व्याकरण महाभाष्य में गौण प्रयोजन कितने हैं ?

8. 'रक्षोहागमलध्वसन्देहाः' में कितने प्रयोजन का उल्लेख है ?

खण्ड—ब

9. 'येनाङ्गविकारः' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
10. 'आधारोऽधिकरणम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
11. 'पृथग्बिनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
12. 'निष्ठा' प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।
13. 'ल्युट् च' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
14. ऊह पदार्थनिरूपण भाष्य की हिन्दी व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'अकथितञ्च' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
16. षष्ठी विभक्ति के प्रमुख नियमों पर प्रकाश डालिए।
17. 'सोमयाजी' एवं 'कृतवान' शब्दों की रचना नियमपूर्वक कीजिए।
18. शब्दों के नित्यत्व एवं अनित्यत्व पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'प्रातिपदिकार्थ लिङ्गपरिमाण वचनमात्रे प्रथमा' सूत्र के विभिन्न मतों को स्पष्ट कीजिए।
20. 'ध्रुवमपायेऽवादानम्' और 'कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्' की उदाहरणपूर्वक व्याख्या कीजिए।
21. शतृ एवं शानच् प्रत्यय से बनने वाले शब्दों की रूपसिद्धि कीजिए।
22. 'किमर्थो वर्णानामुपदेशः' पर भाष्य लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. शब्दानुशासन के तेरह प्रयोजनों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
24. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :
    (i) महाकवि बाणभट्टः

(ii) वसन्तवर्णनम्

(iii) बाल्मीकिरामायणम्

(iv) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

(v) स्त्रीशिक्षा

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – भारतीय दर्शन **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. तर्कभाषा का समावेश किस दर्शन के अन्तर्गत किया जाता है ?
2. इन्द्रिय और अर्थ का सन्निकर्ष कितने प्रकार का होता है ?
3. जाति और व्यक्ति का संबंध कौनसा संबंध कहलाता है ?
4. अभाव और पृथक प्रमाण को कौन स्वीकार करते हैं ?
5. सांख्य दर्शन के प्रणेता कौन हैं ?
6. सांख्य दर्शनानुसार सृष्टि का कारण क्या है ?
7. अनुपहित चैतन्य किसे कहते हैं ?
8. यम, नियम, आसनादि किसके अ हैं ?

खण्ड—ब

9. तर्कभाषा के आधार पर बताइये कि संबंध कितने प्रकार के होते हैं ? स्पष्ट कीजिये।

10. सांख्य दर्शन के अनुसार "दुःखत्रयाभिधानम्" के आधार पर तीनों दुःखों के नाम लिखिये।
11. प्रतिवध्यावसायो दृष्टं त्रिविधम् "अनुमानमाख्यातम्" के आधार पर तीनों अनुमानों का उल्लेख कीजिये।
12. "चत्वारि एव प्रमाणानि युक्तिलेशोक्तिपूर्वकम्" को स्पष्ट कीजिये।
13. बौद्ध दर्शन के क्षणिकवाद या क्षणिकभावना पर प्रकाश डालिये।
14. सांख्य दर्शन के अनुसार बंधन और मोक्ष अर्थात् मोक्ष और अपवर्ग पर विवेचन प्रस्तुत कीजिये।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. जीवन्मुक्त तथा बद्धसंसारी के भेदों को स्पष्ट करते हुए जीवन्मुक्त अवस्था का परिचय दीजिये।
16. जैन दर्शन में मान्य त्रिरत्नों का परिचय देते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
17. बौद्ध धर्म के पाँच नियम कौन-कौनसे है ? उल्लेख करते हुए व्याख्या कीजिये।
18. सांख्यसम्मत आठों सिद्धियों के नाम लिखकर सभी सिद्धियों को स्पष्ट कीजिये।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. न्याय दर्शन के किन्हीं **पाँच** पदार्थों का विवेचन कीजिए।
20. सांख्य दर्शन में वर्णित 25 तत्वों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
21. वेदान्त दर्शन के अनुसार कार्यकारण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।
22. समाधि के आठ अ⑴ कौन-कौनसे हैं ? विस्तृत व्याख्या कीजिये।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. बौद्ध दर्शन के अष्टांगिक मार्ग की विस्तृत विवेचना कीजिये।
24. जैन दर्शन में स्वीकृत तत्वों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**